

असाधारण, EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

vi 85] No. 85] नई बिस्ली, मंगलवार, मई 24, 1983/अयेष्ठ 3, 1905

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 24, 1983/JYAISTHA 3, 1905

इस भाग आर्थ भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को इस्प में रखा जा सको

Separate paging is given to this Part in order that it may be fited as a separate compilation

वाणिच्य मंत्रालय

भागात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं॰ 18-भाई ही सी (पी एन)/83

नई दिल्नी, 24 मई, 1983

विषय : भन्नैल, 1983--- मार्च, 1984 के लिए आयात-निर्यात नीति

मिसिल सं० आई पी सी/3/1/83 — वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 10-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 15 अप्रैल, 1983 के अधीन प्रकाशित अप्रैल, 1983—मार्च, 1984 की आयास निर्यात नीति (जिल्द-1) की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. 1983-84 की आयात मिर्यात भीति (जिल्द-1) में निम्नलिखित संसोधन उचित स्थानों पर किए जायेंगे :---

चम आयात-नियांत सवर्ष संशोधन सं० नीति (जिल्द-1) 1983-84 की पृष्ठ सं० 1 2 उ 5 1.8-9 अध्याय-6, बास्त- (1) उप-पैरा 31(2) की 7वी पंक्ति विक उपायोकताओं में ऑकड़े "10" की "1.5" पढ़ा

जाएगा ।

(औद्योगिक)

द्वारा भच्चे माल,

संघटकों, उपभोज्यो (2) उप-पैरा 31(2) की 15वी पंक्ति और फालतू पूजीं का में 'एक लाख' शब्द को "1.5 लाख'

आयात पैरा 31 पहा जाएगा

- (3) उप-पैरा 31(2)(घ) की भौधी पंक्ति में "एक लाख रुपए के बाजार" शब्द हटा दिए जायेंगे।
- (4) उप-पैरा 31(2)(इ) की 5वी और छठी पंक्ति में "1 लाख इपए के बचाए" मन्द और आंकड़े हटा दिए जायेंगे।
- (5) उप-पैरा 31(3) की दूसरी पंक्ति में "1 लाख" आंकड़े की "1.5 लाख" पदा जाएगा।

2. 11 पैरा 38

2

1

वर्तमान उप-पैरा 38(2) के धाद निम्नलिखित उप-पैरा और भी जोड़ा जाएंगा:—

"(2-क) उपर्युक्त उप-पैरा 3(1)
(ध) के अधीन वास्तविक उपयोक्ता
(औद्योगिक) को आरी किए गए
बूरक लाइसैंस उनके कुल मूल्य के
भीतर परिशिष्ट 3और 6 के अंतर्गेस
भाने वाली मदो के श्रायात के लिए

1

2

3

1

2

भी वैद्य होंगे। यह इस गर्स के अधीन होगा कि एकल मब का आयात मृत्य में 1.5 लाख रूपए (लागत-त्रीमा-भाषा) से अधिक ने हो।

3 पूष्ठ 39 अध्याय-17 पंजीकृत निर्यातक आयास-प्रतिपूर्ति

की सीमा, पैरा

134

3

- (1) धर्नमान पैरा 134 को "134(1)" के रूप मे पूर्नसक्ष्याकिस किया जाएगा।
- (2) यथा पूर्नगंदयांकित वर्तमान पैराके बाद निम्नलिखित उप-पैराको और आगे जोडा जाएगा
- "(2) पैरा 224 में दिए गण प्रावधानों का उल्लेख नए उत्पादों या मए बाजारों के सबंध में किया जाएगा।
 - (३) भारतीय जहाजी मध्यम के निर्यातों के संबंध में पजीकृत निर्यातक, परिशिष्ट 17 में दिए गए प्रावधानों के अनुसार पंजीकृत निर्यातकों की आयात नीति के अधीन आर ई पी लाइसेस से लिए सामान्य दर के 10 प्रतिशत में अधिक आयात प्रतिपृति दर अर्थात मामान्य 10 प्रतिशत या इसमें अधिक के स्थार पर 11 प्रतिशत की दर पर पात होंगा।"
- अध्याय 17 पंजी- (1) चौथी पिक्त में आंकडे "10" के कुल निर्यातक, पैरा स्थान पर "20" परा जाएगा।

136(2)

- (2) वर्तमान उप-पैरा 136(2) के पश्चात निम्नलिखित मया उप-पैरा जोश आएगा
- "(3) उपर्युक्त उप-पैरा (2) मे 10 लाख रपए मृत्य तक के तकनीकी डिजाइन के आयान के लिए यथा निर्घारित न्युननम निर्यात निष्पादन विनिर्माता निर्यातको को वाले उपलब्ध सुविधा का उपयोग नीति के अनुसार उनके नियाला के आधार पर उनके द्वारा प्राप्त उनके वैद्य आर ई पी लाइसेंसों के मद्देशया वे आयात नीति के अनुसार हस्तान्तरण ब्रारा प्राप्त किए गए वैद्य आर ईपी लाइसेंस के मद्दे किया जासकता है। उपर्युषन उप-पैरा (2) के अर्धान इस उद्देश्य है लिए लाइसेंस प्राधि-कारी आर ईपी लाइमें सोंपर पृथ्ठाकन करते समय वास्तविक उपयोक्ता शर्त भी लगाएंगे। जहां विनिर्माता-निर्यातक आयास मीनि के प्रावधानों के अनु-मार विषयाधीन आर ईपी लाइसेसी के शेष मुल्य का हस्तन्तिरण करना चाहता है, तो लाइसेस प्राधिकारी से अनुरोध करने पर सबक्क मुख्य भार है पी लाइसेस के मूल्य में तदनुक्य कमी करके, उपर्युक्त उप-पैरा (2) के

अधीन आयात के लिए अलग अहस्साम्तरणीय लाइमेस जारी करेंगे।

- (4) उपर्युनन उप-पैरा (2) और (3) की मिवधाम्रो का प्राधिकृत उत्पादन के लिए ही विनिर्माता निर्यानक द्वारा ही उपयोग किया जाएगा।
- 5. 43 अध्याय 17, पजी- वर्तमान उप-पैरा 142(1)(च) के बाद क्रुल निर्यासक, आगे निम्नलिखित उप-पैरा को जोड़ा पैरा 142 जाएगा
 - "(छ) वह विनिर्माता निर्यामक 1 जसमें चर्नीया उत्पादन का कम से जमें 50 प्रतिशत जो न्युननम 5 लाख रुपए के अधीन है, 2 विनीय वर्षों में में किसी भी एक वर्ष में निर्यात किया है तो उसे जगर्मन उपर्पेश (क) के अंतर्गत 1983-84 में 50 लाख रु (लागन, बीमा, भारा मूल्य) के मूल्य तक मणीनरी के आयान करने की अमुमति वी जा सकर्ना है। उपर्युक्त पैरा (क) में उल्लिखित अन्य मभी अर्ते समान रूप से लागू होंगी।
 - (ज) वह विनिर्माता, निर्मातक जो उपर्युक्त उप-गैरा (क) और (छ) के अंतर्गत मगीनरी का निर्यात करने का इच्छुक है तो उसे उस मशीनरी का नियात करने की अनुमति, निर्धारित णतीं के अधीन उसने खुद के वैध आर ई पी लाइसेस (लाइमेसीं) के मद्दे अथवा लागू आयात नीति के अनसार, हस्तास्तरण द्वारा प्राप्त किए गए वैध आर ई पी लाइसेसी के महे बीजा सकती है। अन्य यथा निर्धारित शर्ते लागु होंगी । जहां तक उप-पैरा (क) और (छ) में आने वाले सर्वधित विनिर्माता निर्यातको का सबंध है, यह सुविधा उप पैरा (घ) में दिए गए प्रायधानों की छुट में होगी।
- 6. 4.4 अध्याय 17, पंजी- (i) घर्तमान उप-पैरा को "148(1) कुन नियनिक आर ईपी के रूप में पुनःसंख्याकित किया लाइमेसो के पृष्ठांकन जाएगा।
 - के लिए विशेष (ii) यथा पुनःसंख्याकित उप पैरा (i) झनुरोध पैरा 148 के बाद निम्मलिखित उप-पैरा को और आगे ओड़ा जाएगा:
 - "(2) वे विनिर्माना निर्मानक जो पूर्ण क्ष्म से निर्मान करने के लिए उत्पा- दन कर रहे हैं, किन्तु वे शत-प्रनिशत निर्मान अभिमृख एकको की योजमा के अंतर्गत इस प्रकार अनुमोदित नहीं किए जा रहे हैं तो उन्हें लागू आधान नीनि के अनुसार उनके

3

गए वैद्य द्वारा प्राप्स किए आर ई पी लाइसेस केसमस्त मुख्य के भीतर इस नीति के परिणिष्ठ उ, 6 या 8 मे आई हुई किसी भी भदक आयात के लिए अनुमनि वी जा सकत[े] हैं।

ऐस आयात इस भाने के अधीन होगे कि आयात की जान वाली वे मदे जो विनिर्मादा-निर्यातक द्वारा उनके अपने स्वयं के एकक में उत्पादन के लिए और सम्पूर्ण अपेक्षित **₽** उत्पादन का निर्यात किया जाएगा । उनकी रिपोर्ट सबधित लाइसेस प्राधिकारी को तैमासिक आधार पर सबद्ध निमाही अवधि के समाप्त हाने के एक मास के भीतर प्रत्येक आयातिन मद का लागत-बीमा-भाडा मुल्य और माला और निर्यातिन मात के जहाप पर्यन्त निम्लक मुख्य के साथ मदवार अधीर और मान्ना का ब्यौरा देने हुए विधिवन भेजी जाएगी । इस व्यवस्था के अन्तर्गत पृष्टाकन के लिए अनुरोध सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेम प्राधि-कारियो द्वारा निर्धारित शर्ती के अधीन किए जाएगे । पुष्टानन किए जाने काले आर ई पी लाइसेंग की दैधता जिय निधि 可打 मधन्नित लाइसेस प्राधिकारी कापुष्ठांकन । के शिए अनुरोध पाप्त हुआ है, उसमे 🕒 कम से नम 3 मास की अन्नयुष्टन अवधि से रहनी चाहिए ।

- परिणिष्ट 1 वर्तमाम विवारण के अन्त मे निम्निणिखित 7 80 प्रविष्टिस को जोड़ा जाएमा --"साइजिंग जीरो दविस्ट फिलामेट यार्न (10) साई तिग के अतिरिक्तना ।' मशीन साइज बुकिंग/मिस्सिग
- परिभिष्ट 🕹 8 92 उप-शीर्षक म 13 मुद्रण मशीनरी

उपस्कर महिन

वतमान प्रविष्टि स 17 के पश्चात निम्नलिखित नई प्रविष्ट को जोड़ा जाएगा ---''(18) 'वैश्व फैंड हाई स्पीड लैटर प्रेस रोटरी एक आफ सेट रोटरी प्रिटिंग मशीने जिनकी क्षमता 35,000 कम्पोजिट इम्प्रेशम या प्रतियापित घटे से अधिक है।

परिणिष्ट ५ 9 133 उप-प्रतिष्टि सं 471 (18) इम उप-प्रविन्टि की हटाया जाएगा !

10 277 परिशिष्ट 21 मुक्त व्यापार क्षेक्ष (काडला और सांताकुज) में स्थित एकको द्वारा पृजीगत

वर्शमान पैरा ६ के पण्चात निम्नलिष्टित पैराको और आगे ओड़ा फाएगा — "7 वैद्य सामान्य मुद्रा क्षेत्र आयात लाइसेंसी के भव्वे भारत में माल कि

(1) भारत में मुक्त व्यापार क्षेत्र में

माल, कञ्जी के आयान के

विनिमित माल को वैध सामान्य मुद्रा सामग्रिया,सभटको क्षेत्र के आयात साइसेस के मक्दे घरेलू फाल तू पुजी आदि टेरिक क्षेत्र में बेचने की अनुमति दी जा सकती है। ऐसी बिकी 1983-84 के लिए कियाविधि । दौरान मुक्त व्यापार क्षेत्र से सम्बद्धः एकक द्वारा ऐसी मद के उत्पादन का का 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होती चाहिए ।

- (ii) सम्बद्धाः स्थल व्यापार क्षेत्र के विकास आयुक्त की पूर्व अनुमनि स ही बिकी की जाएगी। अत घरेलू टेरिफ क्षेत्र में अपने माल को बेचन के ध्राष्ट्रक एकको को विकास आयुक्त संसम्पर्क करना चाहिए । इसे वैद्य सामान्य मुद्रा क्षेत्र लाइसेस क मब्बे घरेलू टेरिफ क्षेत्र में संभरित की जाने वाली मद की माला और 1983-84 के दौरान उम तिथि को एकक द्वारा उत्पादिस उसी मदकी कुल माला का भी वर्शाना चाहिए जिसस विकास आयुक्त यह सत्यापिन कर सके कि विकी एकक द्वारा पहले से ही विनिमित उत्पादन से 25% से अधिक तानही है।
- (iii) विकास आयुक्त से अनुमति लेने के पश्चात वैद्य सामान्य मुद्रा क्षेत्र के लाइसेस के मुद्द बिकी की जा सकती है । क्षेत्र से बाहर माल की अनुमति देने से पूर्व विकास आयुक्त सम्बद्ध आयात लाइसेंस के माम दालेगा । इस सीमा तक आयात लाइसेस आगे के आयात के लिए अवैध हो जाएगा ।
- (iv) घरेनु टेरिक क्षेत्र मे माल क केता को ऐसे उत्पादन मृत्क, बिकी मृत्क और अन्य ऐसे ण्ंक का भूगतान करना पडेगा जो विषयाधीन माल पर लगाए जा सकते हो । यह राजस्य विभाग हारा जारी की गई अधिसूचना सं० 13/83 केर्न्द्रीय उत्पाद श्लक दिमाक 11 फरवरी, 1983 और मक्त व्यापार क्षेत्र में विनिमित माल नी "घरेल टेरिफ क्षेस्र" में विकी से सम्बद्ध उनके द्वारा समय-समय पर जारी की ऐसी अन्य अधिगूचनाओ/अनुदेशो के अधीन होगा ।
- 3 वाणिज्य मन्नालय का सार्वजनिक सूचना सं० 11-आईटीसी/पीएन/ 83, दिनाक 15 अप्रैन, 1983 के अंतर्गत प्रकाशित आयान-निर्यात कियाविधि हैन्डबुक 1993-84 की ओर भी ध्यान दिलाया जाना है। हैन्डबक में निम्नलिखित संशोधन किए गए समझे जाएंगे ---
 - अध्याय-- 4 म निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएगे '--
 - (क) एयर इंडिया/इंडियन एयर लाइन्स के माध्यम से आयात के संबद्ध में वर्णमान गैरा "89" को पैरा "89(1)" के रूप मे पुन मख्यांकित किया प्राएगा।

- (ख) पुन. सख्योकित वर्तमान उप-पैरा (1) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ा जाएगा .--
 - '(II) ये प्रावधान भारतीय जलयानों के माध्यम से किए गए आयातों के लिए भी लागू होगे।"
- (2) पृष्ठ ३६ पर अध्याय—६ "सरणी**बद्ध क**रना" मे वर्तमान उप-पैरा 155(2) के स्थान पर निम्नलि<mark>खित पै</mark>रा प्रतिस्थापित किया जाएगा —
 - "(2) यदि किसी बास्तविक उपयोक्ता ने अपनी मांग सबदा सरणी-ध्रक्करने वाली एजेल्सी से पजीकृत कराई है और सरणीबद करने वाली एजेन्सी वास्तविक उपयोक्ता हारा अग्रिम धनरामि चका देने की तिथि से तीन महीने के भीतर माल का संभरण नहीं करती है तो वास्तविक उपयोक्ता उसी माल की उस माला के 25% तक की सीमा तक के लिए संबद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी से सीधे आयात लाइसेस के के लिए अविवन कर सकता है जो मान्ना पिछले विस्तीय में मरणीबद्ध करने वाले अभिकरण ने उसका आवंटित की थी, यह माक्षा इस गर्त के अधीन हागी कि वह मुख्य मे अधिक मे अधिक 1 00 लाख रुपए (लागत-बीमा-भाषा) हो और उस निर्धारित योजना ने अतर्गत आबटन क लिए अभूसेय मान्ना के भीतर हो जिसक सर्बंध मे यथा-पूर्वोन्स सरणीबद्ध करने वाली एजेम्सी द्वारा उसमे अनापरित प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना सभरण न किया गया हो। सीधे ही आयात लाइसेंस के लिए ऐसे आवेदनपत्नो के साथ आवेदक फर्म/कम्पनी के वरिष्ठ कार्यकारी से एक घाषणापत सरणीबद करने वाली एजेंग्सी की अग्रिम धनराणि चुकाने की तिथि, पंजीकृत कराए गए माल का विवरण और उसकी माला निर्विष्ट करते हुए और स्पष्ट शब्दों में यह उल्लेख करते हुए होना चाहिए कि सरणीबद्ध करने बाली एजेन्सी ने अग्रिम धनराणि चुनाने के तीन महीने के भीतर माल वा संभरण नहीं किया है। उक्त घोषणापक्ष में उस माल का विवरण और उसकी माला का भी उल्लेख होना चाहिए जो सरणीबद्ध करने वाली एजेंग्सी ने आवेदक पर्म को पिछले विस्तीय वर्ष में आवंटित किया था और आवंटन के लिए देव माल की वह माला भी होनी चाहिए जिसके लिए संभरण से विलम्ब किया गया है। लेकिन यह सुविधा उपर्यक्त पैरा 150 और 151 में सूचीबद्ध मदो और आयात निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-1) के परिभाष्ट-9 की मदा के लिए उपलब्ध नुही होगी ।
- (3) परिशिष्ट-31 में वर्शमान पैरा 6 क बाद निम्नालिश्वित पैरा जोड़ा जाएगा ---

"7 इस परिणिष्ट में विए गए प्रावधान भारतीय जलयानी के माध्यम से किए गए आयाती के लिए भी निर्धारित शर्ती क अधीन भाग होगे।"

[सं • मि ॰ आईपीसी/3/1/83] जि॰ के॰ शुगल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE 18-ITC(PN)/83

New Dolhi the 24th May, 1983

Subject: Import & Export Policy for April, 1983-March, 1984.

No. IPC/3/1/83:—Attention is invited to the Import & Export Policy for April, 1983 March, 1984 (Vol. I), published

under the Ministry of Commerce Public Notice No 10-ITC (PN)/83 dated the 15th April, 1983

2. The following amendments shall be made at appropriate Place in the Import and Export Policy (Vol I) for 1983-84.

SI Page No No of Import & Export Policy (Vol. I) 1983-84		_	Amenement
(1) (2)	(3)	_	(4)
1. 8-9	Chapter 6, Import of Raw Materials, Components, Cons	(1)	In sub-para 31(2), in 7th line, the figure "1 0" shall read"1 5".
	umables and Spares by Actual Users (Industrial) Para 31	•	In sub-para 31(2), in 15th line, the words "one lakh" shall read "1 5 lakhs".
		(111)	In sub-pata 31(2) (d), in the 4th line, the words "instead of Rs. one lakhs" shall be deleted
		(iv)	In sub-para 31(2)(g), in the 5th and 6th lines, the words & figure "instead of Rs 1 lakh" shall be deleted
		(v)	
2, 11	Para 38	Alt	or the existing sub-para

. 11 Para 38

After the existing sub-para 38(2), the following further sub-para shall be added —

- "(2-A) Supplementary licences issued to Actual (Industrial) Users under Sub-para 38 (1)(d) above, will also be valid, within their overall value, for import of items appearing in Appendix 3 or 6 subject to the condition that the import of a single item does not exceed Rs 1 5 lakhs (clf) in value.
- 3 Page 39 Chapter 17
 Registered
 Exporters,
 Extent of Import

Replenishment,

- (1) The existing para 134 shall be re-numbered as "134 (1)"
- (ii) After the existing subpara (1) as renumbered, the following sub-paras shall be added:— "(2) The provisions made

in para 224 may be reforred to in

(4)question, under the

(1)

(2) (3) **(**4) (1) respect of exports of new products or

to now markets."

- (3) In respect of exports made through Indian vessels, the exerter registered will be eligible for REP lincence under the import policy for Registered Exporters in accordance with the provisions made in Appendix 17, at the rate of import replonishment higher than 10% of the normal rate, i.e. 11% instead of the normal 10% and so on."
- 39 Chapter 17, Registered Exporters, para 136(2)
- (i) In the 4th line, the figure "10" shall read "20".
- (ii) After the existing subpara 136(2), the following new sub-paras shall be added :-
 - "(3) The facility for import of technical designs etc. upto Rs. 20 lakhs in value, / available in sub-para (2) above manufacturerexporters having a minimun export performance as laid down, can be availed of by them either against their own valid REP licences obtained on the basis of their exports, as per policy, or against valid REP licences acquired by transfer in accordance with the import policy. The licensing authority, while making an endorsement on REP licence for this pur pose under sub-para (2) above shall, also also impose Actual User condition. Where the manucturer-exporter intends to transfer the balance value of the REP, licence,

(2)(3)

provisions of the import policy, the licensing authority may, on request, issue a separate nontransferable licence for import under sub-para(2) above, by corresponding reduction in the value of the concerned main REP licence. (4) The facilities in subparas (2) and (3) above will be used by the manufacturer-exporter only for the purpose of authorised produc-

5. 43 Chapter 17, Registered Exporters, Para 142.

After the existing sub-para 142(1)(f), the following further sub-paras shall be added :-

tion.

- "(g) A manufacturor-exporter who exported at least 50% of his production of select products, subject to a minimum of Rs. 5 lakhs (FOB), in any of the two previous financial years, may be allowed to import machinery, under sub-para (a) above. upto a value of Rs. 50 lakhs (ClF) in 1983-84. Other conditions mentioned in sub-para (a) above will equally apply.
- (h) A manufacturer-exporter intending to import machinery under sub-paras (a) and (g) above, may be allowed to import the same subject to prescribed conditions, against his own valid REP licence(s) or against valid REP licence(s) acquired by him, by transfer, In accordance with the import policy in force. Other conditions as laid down will apply. This facility will be in relaxation of the provision made in sub-para (d) above, in so far as manufacturer-exporters covered under sub-para (a) and (g) are concerned."

sought to be suppflied in

DTA against valid GCA

licence and the total

quantity of the same item

produced by the unit,

1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
 6.	44	Chapter 17	(i) The existing sub-paras		<u> </u>		<u>-</u>
		Registered	shall be re-numbered as				date on whice
		Exporters,	"148(1)".				request for endorse
		Special requests	(ii) After the existing sub-				ment is received b
		for endorsement	para (1) as re-numbered,				the concerned lien-
		on REP licences	the following further sub-				ing authority.
		Para 148	para shall be added :-	7.	80	Appendix-I	The following shall be adde
			_			Entry No. 4(10)	at the end of the existing
			"(2) Manufacturer-ex-			Sizing machine	description ;—
			porters producing ex-			including size	"except for sizing zero
			clusively for exports			cooking/mixing	twist filament yarn".
			but, not approved as			equipment.	•
			such under the sche-	_			
			me of 100% export	8.	92	Appendix-2	After the existing entry N
			oriented units, may			Sub-Heading	17, the following new ent
			be allowed to import			No. 12 Printing	shall be added ;—
			any item appearing			Machinery,	
			in Appendices 3, 6				"(18) Web fed high spe
			or 8 of this policy,				letter press rotary ar
			within the overall				off set rotary printing
			value of valid REP				machines having out-p
			licence acquired by				of more than 35,0
			transfer, in accord-				composite impressio
			ance with the import				or copies per hour."
			policy in force.	9.	122	A	
			Such import shall	9.	133	Appendix-5	This sub-entry shall
			be subject to the			Sub-Entry	deleted.
			condition that the	10.	277	No. 471(18)	A (4 an all a maileath a an an an a
			items to be imported	10.	2//	Appendix-21	After the existing para 6, the
			are those as are			Procedure for	following further para sha
			required by the manu-			import of	be added :—
			facturer - exporter			Capital Goods,	"7. Sale of goods in Ind
			for production in			Raw Materials,	against valid Gener
			his own unit, and			components,	Currency Area impo
			the entire produc-			spares etc by	licences.
			tion shall be ex-			units located in	(1) (1)
			ported. Reports			Free Trade	(1) Goods manufactured
			there of shall be			Zones (Kandla	Free Trade Zone in Inc
			duly furnished to			& Santacruz)	may be allowed to
			the licensing autho-				sold in the Domes
			ority concerned on a				Traiff Area against va
			quarterly basis, with				General Currency Ar
			in one month of				import licences. Su
			the explry of the				sale shall not exceed
			concerned quarterly				per cent of product
			period, giving the				of the same item by t
			description of each				unit concerned in t
			item imported with				Free Trade Zone duri
			its CIF value and				1983-84.
			quantity, and the				(2) The sale shall be effect
			FOB value of goods				only with the prior po
			exported with their				mission of the Develo
			description and quan-				ment Commissioner
			tity itemwise. Re-				the concerned Free Tra
			quests for endorse-				Zone. The unit desiring
			ment under this pro-				to sell their goods
			vision will be enter-				the Domestic Tra
			tained by the re-				Area should, therefor
			gional licensing				approach the Develo
			authorities concened				ment Commissioner.
			subject to prescribed				should also indicate t
			conditions. The				
			REP licence sought				quantity of the ite

REP licence sought

to be endorsed should

have unutilised ba-

lance of at least 3

months in its period

of validity as on the

(1)

(2)

(1)

(1)

- (4)
- as on date, during 1983-84, to enable the Development Commissioner to verify that the proposed sale is not exceeding 25 percent of the production already turned out by the unit.
- (3) After obtaining permission from the Development Commissioner, the sale can be effected, against valid GCA licence. The Development Commissioner will debit the connected import licence before the goods are allowed to be taken out of the Zone. To this extent, the import licence shall cease to be valid for further imports.
- (4) The purchaser of the goods in the Domestic Tariff Area shall be liable to pay the excise duty, sales tax and such other taxes as may be leviable on the goods in question. This shall be subject to Notification No. 13/83-Central, Fxcise dated the 11th February, 1983 issued by the Department of Revenue, New Delhi and such other notifications or instructions as my be issued by them, from time to time in regard to the sale of goods manufactored in a Free Trade Zone, into the Domestic Tariff Area."
- 3. Attention is also invited to the Hand Book of Import-Export Proceduces, 1983-84 published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 11-ITC (PN)/83 dated the 15th April, 1983. The following amendments shall be deemed to have been made in the Hand Book :--
 - (i) In Chapter IV the following changes shall be made:-
 - (a) The existing para "89" regarding imports through Air India/Indian Airlines, shall be re-numbered as "89(1)",

- (2) (3)
 - (b) After the existing sub-para (1), as renumbered, the following sub-para shall be added :--
 - "(2) These provisions will also apply to imports made through Indian Vessels."

(4)

- (ii) The existing sub-para 155(2) in Chapter VI, "Canalisation", at page 36, shall be substituted by the follow-
 - "(2) If an Actual User has registered his demand with the canalising agency concerned, and the canalising agency does not supply the material within the 3 months from the date the Actual User has paid the earnest money, the Actual User may apply for direct import licence to the regional licensing authority concerned to the extent of 25% of the quantity of the same material allocated to him by the canalising agency in the previous financial year, subject to a maximum of Ps. 1.00 lakhs in value (CIF), and within the quantity due for allotment under the prescribed scheme, in respect of which the supply has not been made by the canalising agency as aforesaid, without having to obtain "No objection Certificate" from the canalising agency. Such application for direct import licence should be accompanied by a declaration of a senior executive of the applicant firm/company, giving the date of payment of carnest money to the canalising agency, the description of the material registered and its quartity, and stating, in clear terms, that the canalising agency has not supplied the material within three months of the payment of the carnest money. The declaration should also mention the description and the quantity of the same material allocated to the applicant firm/company by the canalising agency in the previous financial year, and the quantity of the material due for allotment in respect of which the supply has been delayed. This facility will not, however, be available for items listed in para 150 and 151 above and for items in Appendix 9 of Import-Export Policy, 1983-84.
 - (iii) In Appendix 31, after existing para 6, the following further para shall be added :-
 - "7. The provisions made in this Appendix will also apply to imports made through Indian vessels, subject to the conditions laid down."

V. K. SHUNGLU, Jt. Secv